NEP-2020

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ललित कला संकाय

पाठ्यक्रम

स्नातक कला सेमेस्टर तृतीय एवं चतुर्थ

चित्रकला

सत्र–2025–26

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
चित्रकला विभाग
पाठ्यक्रम

स्नातक कला सेमेस्टर तृतीय एवं चतुर्थ

<u>पाठ्यक्रम के परिणाम</u>

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के पाठ्यक्रम के परिणामों में आमतौर पर कौशल और ज्ञान की एक श्रृंखला शामिल होती है, जिसे छात्रों से कार्यक्रम पूरा होने पर हासिल करने की उम्मीद की जाती है। यहाँ कुछ सामान्य पाठ्यक्रम परिणाम दिए गए हैं:

तकनीकी कौशल: छात्र विभिन्न ड्राइंग और पेंटिंग माध्यमों में तकनीकी कौशल विकसित करेंगे, जिसमें तेल, ऐक्रेलिक, पानी के रंग, चारकोल और मिश्रित मीडिया शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

ऐतिहासिक और सैद्धांतिक ज्ञान: छात्रों को कला के इतिहास, सिद्धांत और आलोचना की व्यापक समझ प्राप्त होगी, जिससे वे अपने काम को व्यापक कलात्मक आंदोलनों और परंपराओं के भीतर प्रासंगिक बना सकेंगे।

ये परिणाम स्नातकों को कला में विभिन्न प्रकार के कैरियर के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनमें पेशेवर कलाकार, कला शिक्षक, गैलरी क्यूरेटर और बहुत कुछ शामिल हैं। विशिष्ट परिणाम संस्थान और कार्यक्रम के फोकस के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

<u>कार्यक्रम परिणाम</u>

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के कार्यक्रम परिणाम कार्यक्रम के व्यापक लक्ष्यों और उद्देश्यों को दर्शाते हैं। ये परिणाम छात्रों को सफल कैरियर और दृश्य कला के क्षेत्र में सार्थक योगदान के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यहाँ कुछ सामान्य कार्यक्रम परिणाम दिए गए हैं:

रचनात्मक और वैचारिक विकास: छात्र अपनी कलाकृति के माध्यम से मूल विचारों और अवधारणाओं को विकसित और व्यक्त करने में सक्षम होंगे, रचनात्मकता और नवाचार का प्रदर्शन करेंगे।

प्रदर्शनी और प्रस्तुति कौशल: छात्र कला प्रदर्शनियों की योजना बनाने, आयोजन करने और प्रस्तुत करने में कुशल होंगे, अपनी कलात्मक दृष्टि को विविध दर्शकों तक प्रभावी ढंग से संप्रेषित करेंगे।

<u>पाठ्यक्रम के उद्देश्य</u>

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के पाठ्यक्रम के उद्देश्य उन विशिष्ट लक्ष्यों और उद्देश्यों को रेखांकित करते हैं जिन्हें कार्यक्रम प्राप्त करना चाहता है। ये उद्देश्य पाठ्यक्रम और सीखने की गतिविधियों का मार्गदर्शन करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र दृश्य कला के क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और अनुभव प्राप्त करें। यहाँ कुछ सामान्य पाठ्यक्रम उद्देश्य दिए गए हैं:

पेशेवर अभ्यासों को प्रोत्साहित करें: पोर्टफोलियो विकास, प्रदर्शनी योजना और विपणन रणनीतियों जैसे आवश्यक कौशल सिखाकर छात्रों को कला की दुनिया में पेशेवर करियर के लिए तैयार करना।

संचार कौशल को मजबूत करना: छात्रों की क्षमताओं को विकसित करना ताकि वे अपने विचारों और कलात्मक अवधारणाओं को मौखिक और लिखित रूप से, विविध दर्शकों तक प्रभावी ढंग से संप्रेषित कर सकें।

<u>सीखने के परिणाम</u>

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के सीखने के परिणाम उन विशिष्ट योग्यताओं, ज्ञान और कौशल को परिभाषित करते हैं जिन्हें छात्रों से कार्यक्रम के अंत तक प्राप्त करने की अपेक्षा की जाती है। सीखने के परिणाम इस प्रकार हैं:

कलात्मक कौशल: मीडिया और उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए विभिन्न ड्राइंग और पेंटिंग तकनीकों में दक्षता प्रदर्शित करें।

रचनात्मक और वैचारिक सोच: मूल विचारों और अवधारणाओं को उत्पन्न करने की क्षमता प्रदर्शित करें, और उन्हें अपनी कलाकृति के माध्यम से रचनात्मक और सुसंगत रूप से व्यक्त करें।

सैद्धांतिक समझ: अपने कलात्मक अभ्यास में सैद्धांतिक रूपरेखा और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण लागू करें, अपने काम की वैचारिक गहराई को बढ़ाएँ।

संचार कौशल: मजबूत मौखिक और लिखित संचार कौशल प्रदर्शित करें, अपने काम और विचारों को विभिन्न दर्शकों के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें और चर्चा करें।

ये सीखने के परिणाम सुनिश्चित करते हैं कि ड्राइंग और पेंटिंग कार्यक्रम में बीए के छात्र पेशेवर कलाकार, शिक्षक, क्यूरेटर और कला की दुनिया में अन्य भूमिकाओं के रूप में कैरियर बनाने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, जो क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कौशल और ज्ञानवान हैं।

Details of AECC/SEC/ Generic Elective Courses

सत्र 2025-26 में प्रवेश लेने वाले फ्रेशर्स के लिए

विश्वविद्यालय का नामः राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
संकाय का नामः ललित कला

विषय का नामः चित्रकला

					Credits			
#	**Level**	**Sem.**	**Sub. Code**	**Title**	**L**	**T**	**P**	**Total**
1	6	III	DRP-63T-201	भारतीय कला का इतिहास (सैद्धान्तिक)	2	-	-	2
2	6	III	DRP-63P-202	आवक्ष अध्ययन (व्यक्ति चित्रण) (प्रायोगिक)	-	-	4	4
								2 +4=6
3	6	IV	DRP-64T-203	भारतीय कला का इतिहास (सैद्धान्तिक)	2	-	-	2
4	6	IV	DRP-64P-204	सृजनात्मक व्यक्ति चित्रण (अनुंकन) (प्रायोगिक)	-	-	4	4
								2 +4=6

1 क्रेडिट = 1 घण्टा सैद्धान्तिक (L) प्रति सप्ताह
1 क्रेडिट = 2 घण्टा प्रायोगिक (P) प्रति सप्ताह

पाठ्यक्रम

स्नातक कला सेमेस्टर तृतीय एवं चतुर्थ

सत्र-2025-26

परीक्षा योजनाः
सेमेस्टर तृतीय

प्रश्न पत्र का नाम	परीक्षा अवधि	EoSE अधिकतम अंक	EoSE न्यूनतम अंक	आंतरिक (CA) अधिकतम अंक	आंतरिक (CA) न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

भारतीय कला का इतिहास	3 hrs.	40	16	10	04	50	20
आवक्ष अध्ययन (व्यक्ति चित्रण)	4hrs.	80	32	20	08	100	40

नोटः- EoSE (सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा) में शामिल होने के लिए CA/आंतरिक परीक्षा में न्यूनतम 40% अंक आवश्यक हैं।

सेमेस्टर चतुर्थ

प्रश्न पत्र का नाम	परीक्षा अवधि	EoSE अधिकतम अंक	EoSE न्यूनतम अंक	आंतरिक (CA) अधिकतम अंक	आंतरिक (CA) न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
भारतीय कला का इतिहास	3 hrs.	40	16	10	04	50	20
सृजनात्मक व्यक्ति चित्रण (अर्नुकन)	4 hrs.	80	32	20	08	100	40

नोटः- EoSE (सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा) में शामिल होने के लिए CA/आंतरिक परीक्षा में न्यूनतम 40% अंक आवश्यक हैं।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र की परीक्षा योजनाः

नोट–सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र में तीन भाग होते हैं।

भाग–प्रथमः 10 अंकों का है जिसमें 1 अंक के 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे।

भाग–द्वितीयः 10 अंकों के किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें, जिनमें से प्रत्येक प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ 2.5 अंक का होगा।

अभ्यर्थियों को प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों की सीमा के साथ लिखना होगा।

भाग–तृतीयः आंतरिक विकल्प के साथ 30 अंकों (प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक) के किन्हीं तीन प्रश्नों केउत्तर दें।

अभ्यर्थियों को प्रत्येक उत्तर 500–600 शब्दों की सीमा के साथ लिखना होगा।

स्नातक कला सेमेस्टर तृतीय
प्रश्न पत्र प्रथमः भारतीय कला का इतिहास
(सैद्धान्तिक)

इकाई -I	प्रागैतिहासिक शैल चित्रण, सिंधु घाटी सभ्यता की कला
इकाई -II	गुफा चित्र - जोगीमारा, अजंता, बाघ, सिगिरिया पाल एवं अपभ्रंश चित्रकला।
इकाई -III	राजस्थानी शैली - मेवाड़, किशनगढ़ और बूँदी चित्रकला शैली।
इकाई -IV	मुगल शैली

Books Recommended:

1. Studies in Indian Art - V.S. Agarwal, Varansi, 1965
2. History of Fine Arts in India & Ceylon - Vincent A. Smith (edited by K. Khandalawala), Bombay, 1930
3. History of Indian and Indonesian Art - A.K. Coomaraswamy, London, 1927
4. Indian Painting - Percy Brown. Calcutta, 1918
5. कला विलास – आर.ए. अग्रवाल, डी.एस.ए. बुक्स इंटरनेशनल, मेरठ, 2015
6. भारतीय चित्रकला का संक्षिप्त इतिहास – शर्मा, लोकेश चन्द्र, कृष्णा प्रकाशन मीडिया (प्रा.लि.)
7. भारतीय मूर्तिकला – राय कृष्ण दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
8. भारतीय चित्रकला का संक्षिप्त इतिहास – अविनाश बहादुर वर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली,1968
9. भारतीय चित्रकला – राय कृष्ण दास, भारती लीडर प्रेस, इलाहाबाद, 2023
10. भारतीय चित्रकला – वाचस्पति गैरोला, मित्र प्रकाशन प्राइवेट, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1963
11. भारतीय चित्रकला एवं मूर्तिकला का इतिहास – रीता प्रताप, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्न पत्र द्वितीयः आवक्ष अध्ययन (व्यक्ति चित्रण)
(प्रायोगिक)

माध्यमः पेंसिल एवं रंग　　मापः अर्द्ध इम्पीरियल　　अवधिः 3 घण्टे

आवक्ष अध्ययन (व्यक्ति चित्रण) से अध्ययन प्रकाश और छाया के व्यापक द्रव्यमान को दर्शाता है, जो स्पष्ट रूप से आकृति और पर्दे के मॉडलिंग को सामने लाता है।

प्रैक्टिकल पेपर में चार घंटे का एक सत्र होगा।

(ए) पानी/तेल रंग के साथ पेंसिल शेडिंग की 2 प्लेटें और आवक्ष अध्ययन (व्यक्ति चित्रण) की 2 प्लेटें।

(बी) कम से कम 25 रेखाचित्रों की एक रेखाचित्र पुस्तक।

ध्यान दें: प्रैक्टिकल परीक्षा का ईओएसई आयोजित किया जाएगा और अंकन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक द्वारा किया जाएगा। आंतरिक परीक्षा/सीए की मूल्यांकन आंतरिक परीक्षक द्वारा सबमिशन के आधार पर की जाएगी

सबमिशन का काम परिणाम घोषित होने तक रखा जाएगा और उसके बाद विभाग द्वारा उम्मीदवार को वापस कर दिया जाएगा। यदि परिणाम घोषित होने के दो महीने के भीतर कोई दावा नहीं किया जाता है, तो सबमिशन नष्ट कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:

(ए) उम्मीदवार को सैद्धान्तिक के साथ-साथ प्रायोगिक पेपर में भी अलग-अलग उत्तीर्ण होना चाहिए।

(बी) स्केचिंग के लिए दो घंटे सहित नियमित अध्ययन के लिए न्यूनतम 08 घंटे होने चाहिए।

(सी) प्रत्येक व्यावहारिक पेपर के लिए सत्र के दौरान विषय विशेषज्ञ द्वारा न्यूनतम तीन प्रदर्शनों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(डी) विभाग को वर्ष में एक बार अजंता, एलोरा, एलीफेंटा, खजुराहो, महाबलीपुरम आदि जैसे प्राचीन कला केंद्रों के शैक्षिक दौरे की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

(ई) प्रायोगिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी और प्रायोगिक कार्य की जांच बाहरी परीक्षक द्वारा की जाएगी। परीक्षक आंतरिक परीक्षक, जो ड्राइंग एवं पेंटिंग विभाग का विषय शिक्षक है, के परामर्श से उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करेगा। विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से परीक्षा आयोजित करने के लिए कुछ अच्छी तरह से सुसज्जित विभागों में व्यावहारिक परीक्षाओं को केंद्रीकृत कर सकता है।

Books Recommended :

1. Anatomy and Drawing by Victor Perard, Publisher J.V. Navlakhi, Bombay.
2. Human figure by Vanderpol, Publisher J.V. Navlakhi, Bombay.

नोट: लाइफ मॉडल उम्मीदवार के सामने चार घंटे तक बैठेगा और मॉडल की आवश्यकता के अनुसार 10 मिनट का आराम देगा। परीक्षा में छात्र को पानी या तेल के रंग एक आवक्ष चित्र बनाना होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

स्नातक कला सेमेस्टर चतुर्थ
प्रश्न पत्र प्रथमः भारतीय कला का इतिहास शैली
(सैद्धान्तिक)

इकाई -I	पहाड़ी शैली - चित्रकला की बसोहली और कांगड़ा शैली
इकाई -II	कंपनी शैली, राजा रवि वर्मा
इकाई -III	बंगाल शैली - अवनिन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस
इकाई -IV	यामिनी रॉय, रवीन्द्रनाथ टैगोर और अमृता शेरगिल

Books Recommended:

1. Studies in Indian Art - V.S. Agarwal, Varansi, 1965
2. History of Fine Arts in India & Ceylon - Vincent A. Smith (edited by K. Khandalawala), Bombay, 1930
3. History of Indian and Indonesian Art - A.K. Coomaraswamy, London, 1927
4. Indian Painting - Percy Brown. Calcutta, 1918
5. कला विलास – आर.ए. अग्रवाल, डी.एस.ए. बुक्स इंटरनेशनल, मेरठ, 2015
6. भारतीय चित्रकला का संक्षिप्त इतिहास – शर्मा, लोकेश चन्द्र, कृष्णा प्रकाशन मीडिया (प्रा.लि.)
7. भारतीय मूर्तिकला – राय कृष्ण दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
8. भारतीय चित्रकला का संक्षिप्त इतिहास – अविनाश बहादुर वर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली,1968
9. भारतीय चित्रकला – राय कृष्ण दास, भारती लीडर प्रेस, इलाहाबाद, 2023
10. भारतीय चित्रकला – वाचस्पति गैरोला, मित्र प्रकाशन प्राइवेट, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1963
11. भारतीय चित्रकला एवं मूर्तिकला का इतिहास – रीता प्रताप, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

प्रश्न पत्र द्वितीयः सृजनात्मक व्यक्ति चित्रण (अर्नुकन)
(प्रायोगिक)

माध्यमः कोई भी माध्यम मापः अर्द्ध इम्पीरियल अवधिः 3 घण्टे

शैली के अनुरूप, रंग योजना और पोत आदि पर जोर देते हुए दो आयामी सृजनात्मक व्यक्ति चित्रण (अर्नुकन) प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

प्रैक्टिकल पेपर में चार घंटे का एक सत्र होगा।

(ए) रचनात्मक चित्र की 4 प्लेटें (प्रतिपादन)।

(बी) कम से कम 25 रेखाचित्रों की एक रेखाचित्र पुस्तक।

ध्यान दें: प्रायोगिक परीक्षा का ईओएसई आयोजित किया जाएगा और मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक द्वारा किया जाएगा। आंतरिक परीक्षा/सीए की मार्किंग आंतरिक परीक्षक द्वारा सबमिशन के आधार पर की जाएगी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

सबमिशन का काम परिणाम घोषित होने तक रखा जाएगा और उसके बाद विभाग द्वारा उम्मीदवार को वापस कर दिया जाएगा। यदि परिणाम घोषित होने के दो महीने के भीतर कोई दावा नहीं किया जाता है, तो सबमिशन नष्ट कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:

(ए) उम्मीदवार को सैद्धान्तिक के साथ-साथ प्रायोगिक पेपर में भी अलग-अलग उत्तीर्ण होना चाहिए।

(बी) रेखांकन के लिए दो घंटे सहित नियमित अध्ययन के लिए न्यूनतम 08 घंटे होने चाहिए।

(सी) प्रत्येक प्रायोगिक प्रश्न पत्र के लिए सत्र के दौरान विषय विशेषज्ञ द्वारा न्यूनतम तीन प्रदर्शनों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(डी) विभाग को वर्ष में एक बार अजंता, एलोरा, एलीफेंटा, खुजराहो, महाबलीपुरम आदि जैसे प्राचीन कला केंद्रों के शैक्षिक दौरे की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

(ई) प्रायोगिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी और प्रायोगिक कार्य की जांच बाहरी परीक्षक द्वारा की जाएगी। परीक्षक आंतरिक परीक्षक, जो ड्राइंग एवं पेंटिंग विभाग का विषय शिक्षक है, के परामर्श से उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करेगा। विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से परीक्षा आयोजित करने के लिए कुछ अच्छी तरह से सुसज्जित विभागों में प्रायोगिक परीक्षाओं को केंद्रीकृत कर सकता है।

Books Recommended :

1. Anatomy and Drawing by Victor Perard, Publisher J.V. Navlakhi, Bombay.
2. Human figure by Vanderpol, Publisher J.V. Navlakhi, Bombay.

नोट: विद्यार्थी को परीक्षा में किसी भी शैली की रचना का उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR